International Journal of Hindi Research
www.hindijournal.com
ISSN: 2455-2232
Received: 28-02-2026, Accepted: 31-03-2026, Published: 15-04-2026
Volume 12, Issue 2, 2026, Page No. 53-55

हिंदी पत्रकारिता और समाचार

दीपाली तोमर
श्री कुन्द कुन्द जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खतौली, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश
प्रस्तुत आलेख 'हिंदी पत्रकारिता और समाचार' का मुख्य उद्देश्य समाचार संकलन, लेखन प्रक्रिया और पत्रकारिता के विभिन्न तकनीकी आयामों का विस्तृत विश्लेषण करना है। यह आलेख समाचार की परिभाषा और 'छह ककारों' (5W 1H) के महत्व को स्पष्ट करते हुए, उल्टा पिरामिड (Inverted Pyramid) शैली जैसी मौलिक लेखन तकनीकों पर प्रकाश डालता है। इसमें समाचार के प्रमुख तत्वों (नवीनता, जन–रुचि, निकटता आदि), विभिन्न स्रोतों और समाचार के प्रकारों (हार्ड न्यूज़, सॉफ्ट न्यूज़, खोजी पत्रकारिता आदि) का प्रामाणिक संदर्भों के साथ मूल्यांकन किया गया है। साथ ही, यह लेख वर्तमान परिदृश्य में समाचार पत्रों के बढ़ते व्यवसायीकरण की समस्या, एक श्रेष्ठ संपादक की नैतिक जिम्मेदारी और भारत की प्रमुख समाचार एजेंसियों (PTI, UNI, ANI आदि) की कार्यप्रणाली को भी रेखांकित करता है। संक्षेप में, यह एक सारगर्भित लेख है जो जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट संदर्भ सामग्री का कार्य करता है।

मूल शब्दः हिंदी पत्रकारिता, समाचार लेखन, छह ककार (5W 1H), उलटा पिरामिड शैली, समाचार के तत्व, समाचार के स्रोत, हार्ड न्यूज़ और सॉफ्ट न्यूज़, खोजी पत्रकारिता, संपादकीय, समाचार एजेंसियां (PTI, UNI, ANI)

पत्रकारिता के क्षेत्र मैं किसी घटना, सूचना, विचार आदि को पाठकों तक पहुंचाने के लिए जिस माध्यम का प्रयोग किया जाता है उसे समाचार कहते हैं। यह एक कला है, जिसमें छह ककारों को (क्या, कौन, कब, कहां, कौन, कैसे) के आधार पर सूचना को उलटा पिरामिड शैली में लिखा जाता है।
रुडियार्ड किपलि ंग ने 5– डब्लू और 1– एच के बारे मैं बताया। यही 6 ककार (इन्हें हिंदी मैं ककार का नाम दिया गया है) आज पत्रकारिता जगत का स्तंभ हैं। अंग्रेजी मैं इन्हें व्हाट, हू, व्हेयर, व्हेन, व्हू, व्हाय और हाऊ कहा जाता है। हिंदी मैं वे इस प्रकार है

1. क्या हुआ?
2. कहां हुआ?
3. कब हुआ?
4. कौन–सी घटना हुई या किसके साथ हुई?
5. क्यों हुई अर्थात् घटना का कारण?
6. कैसे घटी?1

समाचार लेखन की प्रक्रिया

1. **शीर्षक (Headline):** यह आकर्षक, छोटा और खबर के सार को बताने वाला होना चाहिए।
2. **लीड/इंट्रो (Lead/Intro):** यह पहला पैराग्राफ होता है, जिसमें समाचार के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य (क्या, कौन, कहाँ, कब) शामिल होते हैं।
3. **मुख्य भाग (Body):** इसमें घटना का विस्तृत विवरण, गवाहों के बयान, कारण, परिणाम और संदर्भ शामिल होते हैं।
4. **छह ककार (6Ws & 1H):** समाचार लेखन में इन छह सवालों का उत्तर होना चाहिए रू क्या (What), कौन (Who), कहाँ (Where), कब (When), क्यों (Why) और कैसे (How)।
5. **निष्कर्ष/समापनः** अंतिम पैराग्राफ में संबंधित जानकारी, परिणाम या आगे की कार्रवाई का जिक्र किया जाता है।
6. **संपादन (Editing):** व्याकरण की अशुद्धियां सुधारना, अनावश्यक शब्दों को हटाना और तथ्यों की पुष्टि करना

समाचार के तत्व

समाचार के मुख्य तत्व किसी घटना को 'खबर' (News) में बदलते हैं। इनमें नवीनता (ताजा घटना), जन–रुचि (लोगों की दिलचस्पी), निकटता (स्थानीयता), प्रभाव (व्यापक असर), संघर्ष (विवाद), प्रमुखता (प्रसिद्ध लोग), और विचित्रता (अनोखी बात) सबसे महत्वपूर्ण हैं। एक अच्छा समाचार तथ्यात्मक, संक्षिप्त और निष्पक्ष होता है।

समाचार के प्रमुख तत्वों का विवरण

नवीनता (Timeliness/Freshness): घटना जितनी ताजी होगी, उसके समाचार बनने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। पुरानी खबरें समाचार नहीं होतीं।

जन–रुचि (Human Interest): ऐसी घटनाएं जो आम लोगों को प्रभावित करती हैं या उनकी भावनाओं (जिज्ञासा, सहानुभूति) को छूती हैं।

निकटता (Proximity): पाठक या दर्शक से भौगोलिक या भावनात्मक रूप से निकट की घटनाएं, जैसे स्थानीय खबर।

प्रभाव (Impact/Consequence): ऐसी खबर जो बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करती है, जैसे – नई सरकारी नीति, कर में वृद्धि।

संघर्ष (Conflict): किसी भी प्रकार का विवाद, टकराव, युद्ध या चुनाव की खबर पाठकों का ध्यान आकर्षित करती है।

प्रमुखता (Prominence): प्रसिद्ध हस्तियों (Celebrities), नेताओं या महत्वपूर्ण स्थानों से जुड़ी खबरें, क्योंकि लोग उन्हें जानते हैं।

विचित्रता (Unusualness/Novelty): सामान्य से हटकर कोई अजीब या दुर्लभ घटना (जैसे – इंसान द्वारा कुत्ते को काटना), जो जिज्ञासा पैदा करती है।

तथ्य (Accuracy & Objectivity): समाचार का आधार सच्चाई (Facts) होना चाहिए, न कि अफवाह। यह निष्पक्ष और सटीक होना चाहिए।

समाचार लेखन में इन तत्वों को उल्टे पिरामिड शैली (Inverted Pyramid Style) में प्रस्तुत किया जाता है,

समाचार के स्त्रोत

समाचार के मुख्य स्रोतों में समाचार एजेंसियां (जैसे PTI, ANI), संवाददाता (Reporters), प्रेस विज्ञप्तियां, सरकारी व गैर–सरकारी संगठन, सोशल मीडिया, इंटरनेट, पुलिस/अदालत और प्रत्यक्षदर्शी शामिल हैं। ये सूचनाएं प्रिंट, टीवी, रेडियो और डिजिटल माध्यमों से जनता तक पहुँचती हैं। यह भी सत्य है कि आज समाचार पत्र का प्रकाशन किसी फैक्ट्री से कम नहीं है। समाचार पत्र एक व्यवसाय का रूप ले चुका है समाचार पत्र निकलने वाले अधिकांश लोगों ने समाचार पत्र के प्रकाशन को एक अतिरिक्त व्यवसाय के रूप में स्वीकर कर लिया है परिणाम स्वरूप उनके वास्तविक उदेश्य मैं बड़ा परिवर्तन आया है। यह एक गंभीर समस्या का रूप भी ले रहा है ।[2]

समाचार संकलन के प्रमुख स्रोत

प्रत्याशित स्रोत: (जहाँ से नियमित जानकारी मिलती है) – पुलिस स्टेशन, अस्पताल, सरकारी विभाग, संसद, विधानसभा, पत्रकार सम्मेलन, और जनसंपर्क अधिकारी।

अप्रत्याशित स्रोत: (अचानक मिलने वाली सूचनाएं) – कोई दुर्घटना, आपदा या घटना जिसे रिपोर्टर स्वयं कवर करता है।

समाचार एजेंसियां: ये देश–विदेश की खबरों को संकलित कर मीडिया संस्थानों को प्रदान करती हैं।

इंटरनेट और सोशल मीडिया: आजकल तेजी से सूचना प्राप्त करने के प्रमुख साधन हैं।

इंटरव्यू (साक्षात्कार): किसी विशेषज्ञ या व्यक्ति विशेष से बातचीत।

समाचार के प्रकार

समाचार मुख्य रूप से हार्ड न्यूज (तात्कालिक, गंभीर घटनाएँ) और सॉफ्ट न्यूज (मनोरंजन, जीवनशैली) में बांटे जाते हैं। प्रकारों में मुख्य रूप से राजनीतिक, आर्थिक, खेल, स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, ब्रेकिंग न्यूज, खोजी पत्रकारिता (Investigative), फीचर लेखन, और संपादकीय (Opinion) समाचार शामिल हैं। समाचार के प्रमुख प्रकारों का विवरण नीचे दिया गया है।

हार्ड न्यूज (Hard News): दुर्घटनाओं, आपदाओं, अपराध और राजनीतिक घटनाओं जैसे तत्काल और गंभीर समाचार, जो 'उल्टा पिरामिड शैली' में लिखे जाते हैं।

सॉफ्ट न्यूज (Soft News): फीचर, मानवीय रुचि, जीवनशैली, फैशन और मनोरंजन से संबंधित समाचार, जो मनोरंजक होते हैं।

खोजी समाचार (Investigative News): किसी छिपे हुए सच या घोटाले को उजागर करने वाली गहरी रिपोर्टिंग।

विश्लेषणात्मक समाचार (Analytical News): किसी घटना के तथ्यों, कारणों और प्रभावों का विशेषज्ञ विश्लेषण।

क्षेत्रीय/स्थानीय समाचार (Local/Regional News): किसी विशेष शहर या राज्य से संबंधित खबरें।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समाचार (National/International News): देश या विश्व स्तर की महत्वपूर्ण खबरें।

खेल और बिजनेस समाचार (Sports & Business News): खेल प्रतियोगिताओं और शेयर बाजार या अर्थव्यवस्था से संबंधित समाचार।

संपादकीय (Editorial): किसी भी समाचार पत्र मैं संपादकीय उस पत्र का `जंजने निर्मित करता है इसलिए संपादकीय को समाचार पत्र का मुख्य अंग माना जाता है।

श्रेष्ठ और सुयोग्य संपादक समाज का नेता होता है। वह बहती हुई बयार अनुसार अपने मत नहीं बनता , प्रेज के पीछे नहीं भागता बल्कि स्वतंत्र बुद्धि और स्वतंत्र चिन्तन के आधार पर निर्भीकता पूर्ण अपनी राय देता है और सदा श्रेयस को ही उपासना करता है अप्रिय किंतु हितकर बाते कहने मैं वह कभी नहीं हिचकता ओर शासन को भी खरी खरी सुनने की हिम्मत रखता है ।वह निर्भीक होता है , सार्वजनिक हित आग्रही होता है किंतु वह उच्छृंखल कभी नहीं होता ।उसकी स्पष्टवादिता के पीछे लोक हित तथा सार्वजनिक कल्याण की गहरी भावना होती है । सच पूछे तो यही भावना उसके कार्य एवं लेखों की प्रेरणा होता है ।[3]

समाचार की समितियां

भारत की प्रमुख समाचार समितियां/एजेंसियां (News Agencies) प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (PTI), यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (UNI), एशियन न्यूज इंटरनेशनल (ANI), और हिंदुस्तान समाचार हैं। ये संस्थाएं देश–विदेश से समाचार एकत्र कर उन्हें समाचार पत्रों, टीवी चौनलों और वेबसाइटों को उपलब्ध कराती हैं।

एनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ ब्रिटेनिका के अनुसार समाचार समिति वह समिति है जो समाचार पत्र, पत्रिकाओं, क्लब, संगठनों और निजी व्यक्तियों के तारों ,पांडुलिपियों ,प्रूफ ,टेप मशीनों, प्रतिलिपियों, दूरमुद्रक (टेलीप्रिंटर), और कभी कभी टेलीफोन द्वारा समाचार प्रेषित करती है।4 समाचार समितिया स्वयं समाचार प्रकाशित नहीं करती वरन् निजी स्तर पर अपने ग्राहकों को सूचनाएं प्रदान करती है।

भारत की प्रमुख समाचार एजेंसियां रू

प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (PTI): यह भारत की सबसे बड़ी और प्रमुख समाचार एजेंसी है, जो 1947 से काम कर रही है।

यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (UNI): इसकी स्थापना 1961 में हुई थी।

एशियन न्यूज इंटरनेशनल (ANI): यह मुख्य रूप से मल्टीमीडिया समाचार एजेंसी है।

हिन्दुस्तान समाचार: यह भारत की पहली बहुभाषी समाचार एजेंसी है।

इंडो–एशियन न्यूज सर्विस (IANS): यह एक प्रमुख निजी समाचार एजेंसी है।

समाचार भारती: हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की समाचार एजेंसी।

संदर्भ

1. सविता चढ़डा, नई पत्रकारिता और समाचार लेखन, तक्षशिला प्रकाशन 98–। हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली –110002 पृष्ठ सं141
2. चंद्रकांता सरदाना और कृषि मेहता, जनसंचार कल, आज और कल, ज्ञान गंगा, 205– सी चावड़ी बाजार, दिल्ली –110006, पृष्ठ सं 74
3. सविता चढ़डा, नई पत्रकारिता और समाचार लेखन, तक्षशिला प्रकाशन 98–। हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली –110002 पृष्ठ सं147
4. डॉ श्रीमति सुशीला जोशी,हिंदी पत्रकारिता और विविधि आयाम , राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, पृष्ठ सं 130